SUBJECT NAME HISTORY

SUBJECT CODE 027

(Q.P. CODE 61-3-3)

Marking Scheme –Hindi medium

Strictly Confidential

(For Internal and Restricted use only)

Senior Secondary School Certificate Examination, 2026

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 80 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ:

अंक योजना

	• उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

इतिहास (विषय कोड-027)
(पेपर कोड: 61 / 3 / 3) (12-03-27N)
नोट: अंक योजना में दी गई पृष्ठ संख्या नवीनतम NCERT ई-बुक से ली गई है।

प्रश्न सं.	मूल्यांकन बिंदु	पृष्ठ संख्या	अंक
	खंड – क **(बहु विकल्पीय प्रश्न)**		
1.	C - तालीकोटा का युद्ध	173	1
2.	B - I, II और IV	158	1
3.	D - पीटर मुंडी: इंग्लैंड	137	1

4.	C - पितृवंश उत्तराधिकार	55,56	1
5.	A - a-iv, b- i , c-ii, d-iii	3,4,8,11	1
6.	A - गांधार **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न** C - शाहजहाँ बेगम	108 83	1 1
7.	C - धृतराष्ट्र	57	1
8.	B - II, IV, I और III	31,32,36,37,50	1
9.	A - अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	32	1
10.	C - I, III और IV	10,11,15,16	1
11।	D - ब्रिटिश	255	1
12.	B- स्वामी विवेकानंद	326	1
13.	A - अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है ।	258	1
14.	A - a-iv, b-iii, c-ii, d- i	320	1
15.	C - पंजाब	287	1
16.	D - बॉम्बे	262	1
17.	A - चार्ल्स कॉर्नवालिस	229	1
18.	A - I, III और IV	117	1
19.	B - शेख निज़ामुद्दीन औलिया – आगरा	154	1
20.	C - पोलाज	214	1
21.	D - शाहजहाँ	200	1
22.	**(क) कल्पना कीजिए कि आप एक राष्ट्रीयसंग्रहालय में प्रदर्शित हड़प्पा मुहरों का अध्ययन कर रहे एक शोधार्थी हैं । व्यापारऔर प्रशासन में हड़प्पामुहरों की भूमिका के किन्हीं तीन पहलुओं को स्पष्ट कीजिए।** 1. मुहरों और मुद्रांकनों से लंबी दूरी का व्यापार आसान हो गया। 2. मुहरें गीली मिट्टी पर दबाई जाती थी। 3. मुद्रांकनों से प्रेषक की पहचान भी पता चल जाती थी। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।	15	3

22.	**अथवा** **(ख) कल्पना कीजिए कि आप एक राष्ट्रीय संग्रहालय में हैं और मोहनजोदड़ो में मिली 'पुरोहित-राजा' की मूर्ति की प्रतिकृति देख रहे हैं । इस कलाकृति से आप हड़प्पा के बारे में कौन से तीन निष्कर्ष निकालेंगे? स्पष्ट कीजिए ।** 1. एक पत्थर की मूर्ति को **'पुरोहित-राजा'** की संज्ञा दी गई थी । 2. मेसोपोटामिया के इतिहास से परिचित पुरातत्वविद सिंधु क्षेत्र में समानताएं देखते हैं। 3. वे धार्मिक लोग हो सकते हैं जिनके पास राजनीतिक ताकत हो। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।	**16**	**3**
23.	**प्राचीन महाजनपदों की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।** 1. महाजनपदों पर राजाओं का शासन था । 2. उन्हें गण या संघ के नाम से जाना जाता था । 3. वे कुलीन वर्ग थे । 4. सत्ता कई लोगों के बीच बंटी होती थी जिन्हें राजा कहा जाता था । 5. राजाओं का ज़मीन जैसे स्त्रोतों पर नियंत्रण था । 6. ये राज्य लगभग एक हज़ार साल तक चले । 7. हर महाजनपद की एक राजधानी थी । 8. राजधानी शहर को किलेबंद कर दिया गया। 9. लोहे का प्रयोग । 10. सिक्कों का उपयोग । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।	**29**	**3**
24.	**बर्नियर के विवरण ने भारतीय महिलाओं की सकारात्मक भूमिका को कैसे उजागर किया? स्पष्ट कीजिए।** 1. खेती और गैर-खेती, दोनों तरह के उत्पादन में महिलाएं हिस्सा लेती थीं । 2. व्यापारी परिवारों की महिलाएं व्यापारिक गतिविधियों में हिस्सा लेती थीं। 3. वे व्यापारिक झगड़ों को अदालत में ले जाते थे। 4. यह असम्भाव्य है कि महिलाओं को उनके घरों की खास जगहों तक ही सीमित रखा जाता था । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।	**136**	**3**
25.	**(क) " कबीर निर्गुण भक्ति के संत कवियों में से एक अत्यंत उत्कृष्ट उदाहरण हैं ।"इस कथन की व्याख्या कीजिए ।** 1. कबीर ने वेदांतिक परंपराओं से लिए गए शब्दों , अलख (अनदेखा), निराकार (निराकार), ब्रह्म, आत्मा, वगैरह से परम सत्य के बारे में बताया। 2. इस्लामी परंपरा से लिए गए अल्लाह, खुदा , हज़रत और पीर के रूप में परम सत्य का भी वर्णन किया।	**160-161**	**3**

	3. शब्द (ध्वनि) या शून्य (खालीपन) जैसे वाले शब्द योगी परंपरा से लिए गए थे। 4. उनकी कुछ कविताएँ इस्लामी विचारों पर आधारित हैं। 5. वे हिंदू बहुदेववाद और मूर्ति पूजा पर खंडन करने के लिए एकेश्वरवाद और मूर्तिभंजन का इस्तेमाल करते हैं। 6. अन्य कवितायेँ ज़िक्र और इश्क़ के सूफ़ी सिद्धान्तों का इस्तेमाल नाम सिमरन की हिन्दू परंपरा की अभिव्यक्ति करने के लिए करते हैं । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।		
25.	**अथवा** **(ख) " छठी शताब्दी के अलवारों ने एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की रचना की।" इस कथन की व्याख्या कीजिए ।** 1. अलवार भगवान विष्णु के भक्त थे। 2. वे अपने देवताओं की स्तुति में तमिल में भजन गाते हुए एक जगह से दूसरी जगह घूमते थे । 3. अपनी यात्राओं के दौरान अलवारों ने कुछ खास धार्मिक स्थानों को अपने चुने हुए देवताओं के निवास के रूप में घोषित किया । 4. बाद में इन पवित्र जगहों पर अक्सर बड़े मंदिर बनाए गए । 5. ये तीर्थस्थल के रूप में विकसित हुए । 6. इन संत कवियों की गायन रचनाएँ मंदिर के रीति-रिवाजों का हिस्सा बन गईं। 7. अलवारों ने जाति व्यवस्था और ब्राह्मणों की प्रभुता के विरोध में आवाज़ उठाई। 8. भक्त विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमि से थे, जिनमें ब्राह्मणों से लेकर शिल्पकारों और किसानों तक और यहां तक कि "अस्पृश्य " मानी जाने वाली जातियों से भी थे । 9. अलवारों की रचनाएँ वेदों जितनी ही महत्वपूर्ण थीं । 10. उदाहरण के लिए, नलयिरादिव्यप्रबंधम को तमिल वेद के रूप में बताया जाता है । 11. महिलाओं की मौजूदगी भी परंपरा का एक अहम हिस्सा थी । 12. उदाहरण के लिए, अंडाल , एक महिला अलवार संत । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।	**143-146**	**3**
26.	**18वीं शताब्दी के दौरान संथालों और पहाड़ियों के बीच संघर्ष के किन्हीं तीन कारणों का विश्लेषण कीजिए ।** 1. संथालों के आने से पहाड़ियों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया । 2. ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने इसमें अहम भूमिका निभाई । 3. संथाल लोग दामिन-ए-कोह क्षेत्र में रहने लगे । 4. खेती के लिए संथालों द्वारा जंगल साफ़ कर दिए गए । 5. पहाड़िया लोगों की जंगल के संसाधनों तक पहुँच कम हो गई। 6. संथालों ने पारंपरिक रूप से पहाड़िया लोगों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली ज़मीन पर कब्ज़ा कर लिया ।	**236-239**	**3**

	7. पहाड़िया लोगों को पहाड़ियों और कम उपजाऊ इलाकों में भेज दिया गया। 8. इससे नाराज़गी और दुश्मनी पैदा हुई। 9. संथाल लोग औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन गए। 10. इससे असमानता पैदा हुई, जिससे झगड़ा हुआ। 11. पहाड़िया लोग जंगल के रास्तों पर कब्ज़ा कर लेते थे और मैदानी बस्तियों पर आक्रमण करते थे। 12. ब्रिटिश नियंत्रण और संथाल बस्तियों के बसने के साथ पहाड़िया लोगों ने अपना दबदबा खो दिया और विरोध किया। 13. दोनों समूहों के रीति-रिवाज अलग-अलग थे। 14. आपसी समझ की कमी से तनाव और झगड़े बढ़ गए। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।		
27.	**1857 की विद्रोही घोषणाओं ने एकता को कैसे दर्शाया? स्पष्ट कीजिए।** 1. 1857 में विद्रोह की घोषणाओं ने आबादी के सभी वर्गों को आकर्षित किया। 2. ये घोषणाएँ मुस्लिम राजाओं ने या उनके नाम से जारी की गई थीं। 3. इनमें हिंदुओं की भावनाओं को भी ध्यान में रखा गया था। 4. इस विद्रोह को एक ऐसे युद्ध के रूप में देखा गया। 5. इसमें हिंदू और मुसलमान दोनों को बराबर का नुकसान या फायदा हुआ। 6. इश्तहार ब्रिटिश काल से पहले के हिंदू-मुस्लिम अतीत की याद दिलाते हैं। 7. इसने मुगल साम्राज्य के तहत अलग-अलग समुदायों के साथ रहने के अस्तित्व का गौरवगान किया। 8. बहादुर शाह के नाम से जारी घोषणा में लोगों से मुहम्मद और महावीर दोनों के नक्शेकदम पर लड़ाई में शामिल होने की अपील की गई थी। 9. यह बात गौर करने लायक थी कि बगावत के दौरान हिंदुओं और मुसलमानों के बीच धार्मिक मतभेद शायद ही नज़र आए। 10. दिसंबर 1857 में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बरेली में अंग्रेजों ने हिंदू आबादी को मुसलमानों के खिलाफ भड़काने के लिए 50,000 रुपये खर्च किए। कोशिश नाकाम रही। 11. आजमगढ़ उद्घोषणा। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। किन्हीं तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।	**271-272**	**3**
	खंड-ग **(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**		
28.	**(क) "महाभारत को एक गतिशील ग्रंथ माना जाता है।" उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।** 1. महाभारत का विकास संस्कृत के पाठ के साथ ही नहीं रुका। 2. यह महाकाव्य कई भाषाओं में लिखा गया था। 3. यह महाकाव्य लोगों, समुदायों और इसे लिखने वालों के बीच बातचीत का एक लगातार चलने वाला प्रक्रिया थी।	**77**	**8**

	4. कई कहानियाँ जो खास इलाकों में शुरू हुईं या कुछ खास लोगों के बीच फैलीं, वे इस महाकाव्य में शामिल हो गईं । 5. महाकाव्य की मुख्य कहानी को अक्सर अलग-अलग तरीकों से दोहराया गया। 6. कई प्रसंगों को मूर्तिकला और चित्रकला में दिखाया गया । 7. इसने कई तरह के नाटकों और नृत्य कलाओं के लिए भी विषयवस्तु प्रदान की। 8. इसे मूर्तियों और नक्काशी – मंदिरों में दर्शाया गया है । 9. भागवद गीता । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए । **अथवा**		
28.	**(ख) "महाभारत ने पारिवारिक मूल्यों के विचारों को सुदृढ़ किया।" उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए ।** 1. पारिवारिक रिश्तों को अक्सर प्राकृतिक माना जाता है । 2. इन्हें रक्त सम्बन्ध के आधार पर, कई अलग-अलग तरीकों से बताया जाता है। 3. कुछ समाज चचेरे भाई-बहनों को खून का रिश्ता मानते हैं, जबकि दूसरे नहीं। 4. पितृवंश का मतलब है पिता से बेटे और पोते तक वंश का पता लगाना, जिससे पितृवंशीय उत्तराधिकार बनता है । 5. पितृवंश की निरंतरता के लिए बेटे महत्वपूर्ण थे । 6. कुछ विशिष्ट परिस्थितियों में स्त्रियाँ जैसे प्रभावती गुप्ता ने सत्ता का उपभोग किया । 7. बेटियों का घर के संसाधनों पर कोई अधिकार नहीं था । 8. बेटियों की शादी गोत्र से बाहर की जाती थी । 9. इस बहिर्विवाह पद्धति कहा जाता था । 10. कन्यादान पिता का एक ज़रूरी धार्मिक कर्तव्य था । 11. लोगों को गोत्रों में बांटा गया था । 12. महिलाएं विवाह के बाद अपने पिता का गोत्र छोड़कर अपने पति का गोत्र अपनाती थीं । 13. एक ही गोत्र के लोग शादी नहीं कर सकते थे । 14. सातवाहन शासकों की पहचान मातृनाम (माँ के नाम से लिए गए नाम) से होती थी । 15. यह कहा जाता है कि माताएँ महत्वपूर्ण थीं, लेकिन किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले हमें सावधान रहने की ज़रूरत है । 16. उचित सामाजिक भूमिकाएँ: द्रोण और एकलव्य , भीम और हिडिम्बा । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।	**55-62**	**8**
29.	**(क) विजयनगर की मंदिर स्थापत्य कला अद्वितीय क्यों थी ? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए ।** 1. मंदिर स्थापत्य के सन्दर्भ में इस समय कई नए तत्त्व प्रकाश में आये ।	**185-188**	**8**

	2. इनमे विशाल स्तर पर बनाई गई संरचनाएं हैं जो राजकीय सत्ता की द्योतक थी । 3. राय गोपुरम एवं राजकीय प्रवेश द्वार सबसे अच्छा उदाहरण है । 4. ये अक्सर केंद्रीय देवालयों की मीनारों को बौना प्रतीत कराते । 5. यह लम्बी दूरी से ही मंदिरों क होने का संकेत देते थे । 6. यह शासकों की ताक़त की याद दिलाते थे । 7. मंडप तथा लम्बे स्तंभों वाले गलियारे देवस्थलों के चारों ओर बने थे । 8. विरुपाक्ष मंदिर का निर्माण कई सदियों में हुआ था । 9. सबसे पुराना मंदिर नौवीं-दसवीं सदी का है। 10. विजयनगर साम्राज्य की स्थापना के साथ इसका काफ़ी विस्तार हुआ । 11. मुख्य मंदिर के सामने का मंडप कृष्णदेव राय ने अपने राज्याभिषेक के उपलक्ष्य में बनवाया था । 12. इसे बारीक नक्काशी वाले खंभों से सजाया गया था । 13. उन्हें पूर्वी गोपुरम के निर्माण का श्रेय भी दिया जाता है । 14. इन परिवर्धनों का अर्थ था कि केन्द्रीय देवालय पूरे परिसर के एक छोटे भाग तक सीमित रह गया था । 15. मंदिर के सभागारों का प्रयोग कई तरह के कामों के लिए किया जाता था। 16. कुछ जगहों पर देवताओं की मूर्तियां रखी जाती थीं, ताकि संगीत, नृत्य, नाटक वगैरह के खासकार्यक्रम देखे जा सकें । 17. कुछ का इस्तेमाल देवताओं के विवाह उत्सव को मनाने के लिए किया जाता था। 18. अन्य का प्रयोग देवी देवताओं को झूला झूलाने के लिए किया जाता था। 19. इन मौकों पर खास तस्वीरों का इस्तेमाल किया जाता था, जो छोटे केन्द्रीय मंदिर में रखी तस्वीरों से अलग होती थीं। 20. विट्ठल मंदिर में मुख्य देवता विट्ठल थे , जो भगवान विष्णु का एक रूप हैं । 21. इनकी पूजा आमतौर पर महाराष्ट्र में की जाती है। 22. इस मंदिर में कई सभागार हैं। 23. इसमें एक अनोखा मंदिर है जिसे रथ के रूप में बनाया गया है। 24. रथ गलियां इस मंदिर की चारित्रिक विशेषता है। 25. रथ गलियां मंदिर के गोपुरम से सीधी रेखा में जाती हैं। 26. सड़कें पत्थर से बनायीं गई थी। 27. वे खंभों वाले मंडपों से घिरे हुए थे जिनमें व्यापारी अपनी दुकानें लगाते थे। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु ।		

29.	किन्हीं आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए। **अथवा** **(ख) विजयनगर के शासक आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियों को किस प्रकार समर्थन देते थे ? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए ।** 1. घोड़े अरब और मध्य एशिया से आयात किए जाते थे । 2. व्यापार पर अरब व्यापारियों का नियंत्रण था । 3. व्यापारियों के स्थानीय समुदाय जिन्हें कुदिरई चेट्टी के नाम से जाना जाता है। 4. चेट्टी, घोड़े और दूसरी चीज़ों के व्यापार में हिस्सा लेते थे । 5. 1498 से पुर्तगालियों ने व्यापारिक तथा सामरिक केंद्र बनाए । 6. विजयनगर मसालों, कपड़ों और कीमती पत्थरों के बाज़ारों के लिए भी मशहूर था । 7. व्यापर प्रतिष्ठा का मानक था । 8. शहरों की समृद्ध आबादी महंगे विदेशी सामान, कीमती पत्थर और ज्वेलरी की मांग करती थे । 9. व्यापार से मिलने वाला राजस्व राज्य की समृधि में योगदान देता था । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।	172	8
30.	**(क) " गांधीजी ने राजनीति में जन भागीदारी को बढ़ावा दिया।" असहयोग आंदोलन के संदर्भ में इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए ।** 1. चंपारण , अहमदाबाद और खेड़ा सत्याग्रह ने गांधीजी को गरीबों के लिए एक राष्ट्रीय नेता के रूप में स्थापित किया । 2. ये सभी स्थानीय संघर्ष थे। 3. 1919 में गांधीजी ने रॉलेट आंदोलन शुरू किया । 4. रॉलेट सत्याग्रह में बंद और अहिंसक विरोध का आह्वान किया गया । 5. बंद के आह्वान पर कई शहरों में दुकानें बंद हो गईं और स्कूल भी बंद हो गए। 6. रॉलेट सत्याग्रह ने गांधीजी को राष्ट्रीय नेता बना दिया । 7. गांधीजी ने ब्रिटिश शासन के साथ “असहयोग” का आह्वान किया । 8. गांधीजी असहयोग आंदोलन के साथ खिलाफत आंदोलन में शामिल हो गए । 9. वे आंदोलन को बढ़ाने के लिए हिंदुओं और मुसलमानों को एक साथ लाए । 10. छात्रों ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों और कॉलेजों में जाना बंद कर दिया । 11. वकीलों ने अदालत जाने से मना कर दिया । 12. कई शहरों और कस्बों में मज़दूर वर्ग हड़ताल पर चला गया । 13. ग्रामीण इलाके भी ब्रिटिश शासन से नाखुश थे । 14. उत्तरी आंध्र में पहाड़ी जनजातियों ने जंगल के कानूनों का उल्लंघन किया । 15. अवध में किसान कर नहीं देते थे ।	289-290	8

	16. कुमाऊं के किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों के लिए बोझ उठाने से मना कर दिया। 17. ये विरोध आंदोलन स्थानीय राष्ट्रवादी नेतृत्व के खिलाफ़ किए गए थे । 18. किसानों, मज़दूरों और दूसरों ने औपनिवेशिक शासन के साथ असहयोग करने की अपील का अपना मतलब निकाला और उस पर अपने फ़ायदे के हिसाब से काम किया। 19. गांधीजी ने कहा कि अगर असहयोग आन्दोलन को अच्छे से किया गया, तो भारत एक साल के अंदर स्वराज हासिल कर लेगा। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए। **अथवा**		
30.	**(ख) "कई विद्वानों ने आज़ादी के बाद के महीनों को गांधीजी का सबसे अच्छा समय बताया है।" इस कथन की जाँच करें।** 1. गांधीजी ने 15 अगस्त 1947 के उत्सव में भाग नहीं लिया। 2. वे कलकत्ता में थे और उन्होंने 24 घंटे का उपवास रखा। 3. गांधीजी "अस्पतालों और शरणार्थी शिविरों में घूमकर परेशान लोगों को सांत्वना देते थे।" 4. उन्होंने सिखों, हिंदुओं और मुसलमानों से अतीत को भूलने पर ज़ोर दिया। 5. उन्होंने लोगों से कहा कि वे अपने दुखों के बारे में न सोचें, बल्कि एक-दूसरे की मदद करें। 6. उन्होंने लोगों से शांति से रहने का अनुरोध किया। 7. कई विद्वानों ने आज़ादी के बाद के महीनों को गांधीजी का "सबसे अच्छा समय" बताया है। 8. बंगाल में शांति लाने के लिए काम करने के बाद गांधीजी दिल्ली आ गए। 9. वह पंजाब के दंगाग्रस्त जिलों में जाना चाहते थे । 10. गांधीजी पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय की तकलीफों को लेकर भी चिंतित थे। 11. उन्हें भरोसा था कि "सबसे बुरा समय बीत चुका है" और भारतीय "सभी वर्गों और पंथों की समानता" के लिए काम करेंगे। 12. उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भौगोलिक और राजनितिक रूप से भारत बंटा हुआ है, लेकिन हम हमेशा दोस्त और भाई रहेंगे और एक-दूसरे की मदद और सम्मान करेंगे। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।	**305-306**	**8**
	खंड-घ **(स्रोत आधारित प्रश्न)**		
	भारत में चांदी कैसे आई?		
31.	**31.1 अमेरिका से चांदी और सोना भारत कैसे पहुंचा ?**		

	यूरोप, तुर्की और फारस के कई राज्यों से होकर चांदी और सोना भारत आता था।	**217**	**1**
	31.2 जहाजों ने भारत में चांदी और सोने के प्रवाह में कैसे योगदान दिया ? भारतीय, डच, अंग्रेजी और पुर्तगाली जहाज़ भारतीय सामान ले कर अन्य देशों में जाते थे और बदले में अलग-अलग देशों से सोना चांदी और अन्य सामान लाते थे।	**217**	**1**
	31.3 17वीं शताब्दी में भारत को वैश्विक व्यापार संजाल से कैसे लाभ मिला? i. भारत को बहुत सारा सोना और चांदी मिला। ii. इससे मुगल साम्राज्य समृद्ध हुआ। iii. मुगल अर्थव्यवस्था मजबूत हुई। iv. धातु मुद्रा की उपलब्धता में स्थिरता। v. सिक्कों की ढलाई का विस्तार। vi. अर्थव्यवस्था में मुद्रा संचार । vii. मुगल राज्य की कर वसूलने की क्षमता । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।	**217**	**2**
	संविधान का निर्माण		
32. 1	**32.1 भारतीय संविधान को दुनिया का सबसे लंबा संविधान क्यों माना जाता है?** i. भारतीय संविधान ने भारत के बड़े आकार और सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखा। ii. यह विस्तृत और व्यापक जानकारी देता है । iii. इसमें अलग-अलग तरह के समुदायों के लिए खास नियम शामिल हैं । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किसी एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए।	**316**	**1**
	32.2 स्वतंत्रता के समय संविधान को क्यों आवश्यक माना गया? i. यह एक विशाल राष्ट्र को एक साथ रखने और एकजुट भारत में विश्वास रखने के लिए था । ii. इसका मकसद अतीत और वर्तमान के घावों को भरना था । iii. अलग-अलग वर्ग, जाति और समुदाय के भारतीयों को एक साझा राजनितिक प्रयोग में एक साथ लाना । iv. इसने लोकतांत्रिक संस्थाओं को बढ़ावा देने की कोशिश की । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।	**316**	**1**
	32.3 संविधान ने भारत में लोकतंत्र को पोषित करने का प्रयास किस प्रकार किया ? i. प्रतिनिधि लोकतंत्र की स्थापना करके । ii. समानता के सिद्धांत स्थापित करके । iii. मौलिक अधिकारों की गारंटी देकर ।	**316**	**2**

	iv. सामाजिक और आर्थिक न्याय को बढ़ावा देकर । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए ।		
	उपनिषद की कुछ पंक्तियाँ		
33.	**33.1 श्लोक के अनुसार आत्मा कहाँ निवास करती है?** आत्मा हृदय में निवास करती है । **33.2 आकार के संदर्भ में आत्मा का वर्णन कैसे किया गया है?** आत्मा को धान, यव या सरसों या बाजरे के बीज के दाने से भी छोटा बताया गया है । **33.3 छांदोग्य उपनिषद के अनुसार, जब कोई व्यक्ति वास्तव में स्वयं (आत्मा) को जान लेता है तो क्या होता है ?** जब कोई व्यक्ति वास्तव में स्वयं को जानता है i. वे दुनिया के साथ पूरी एकता का अनुभव करते हैं । ii. उनकी सारी इच्छाएं उनके अंदर ही पूरी हो जाती हैं । iii. उसे यह एहसास होता है कि वह ब्रह्म (सर्वव्यापी चेतना) ही है । iv. इस ज्ञान से वह हर प्रकार के बंधन, डर और दुःख से मुक्त हो जाता है । v. वह शुद्ध शांति और आनंद में स्थित हो जाता है । कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु । किन्हीं दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए।	**85** **85** **85**	**1** **1** **2**
	खंड-ङ **(मानचित्र आधारित प्रश्न)**		
34.	**34.1 भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा- मानचित्र (पृष्ठ 27 पर) में , निम्नलिखित स्थानों को उपयुक्त चिन्हों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए :** (i) लोथल - विकसित हड़प्पा पुरास्थल (ii) अमरावती – बौद्ध स्थल (iii) (क) दिल्ली - मुगलों के अधीन क्षेत्र **अथवा** (iii) (ख) विजयनगर - मध्यकालीन साम्राज्य **34.2 भारत के इसी रेखा- मानचित्र पर, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन से सम्बंधित केन्द्रों को 'A' और 'B' दो स्थानों के रूप में अंकित किया गया है । इनको पहचानिए और इनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए ।** A - दांडी / बारडोली B – चौरी चौरा **(संलग्न मानचित्र देखिये)**	**2** **95** **214** **174** **295,296** **291**	**1+1+1=3** **1+1=2**

	नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों क लिए प्र.स.34के स्थान पर हैं :		
	34.1 पश्चिमी भारत में किसी एक विकसित हड़प्पा पुरास्थल का उल्लेख कीजिए ।	**2**	**1**
	उत्तर: धोलावीरा , नागेश्वर , लोथल , कालीबंगन (कोई भी एक)		**1**
	34.2 दक्षिण भारत में स्थित किसी एक प्राचीन बौद्ध स्थल का उल्लेख कीजिए।	**95**	
	उत्तर: अमरावती, नागार्जुनकोंडा (कोई भी एक)		**1**
	34.3 (क) मुगलों के अधीन किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए ।	**214**	
	उत्तर: दिल्ली, आगरा, अजमेर, अम्बर, पानीपत (कोई भी)		
	अथवा		
	34.3 (ख) विजयनगर साम्राज्य के किसी एक पड़ोसी साम्राज्य का नाम लिखिए ।		**1**
	उत्तर: बीजापुर , अहमदनगर , गोलकोंडा, उड़ीसा (कोई भी एक)	**174**	
	34.4 भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के किन्हीं दो केंद्रों के नाम लिखिए ।		**2**
	उत्तर: दिल्ली, बॉम्बे, मद्रास, कलकत्ता, दांडी , खेड़ा , बारडोली , अहमदाबाद, चंपारण चौरी चौरा , अमृतसर (कोई दो)	**291,295,296**	

34.

प्रश्न सं. 34 के लिए For question no. 34

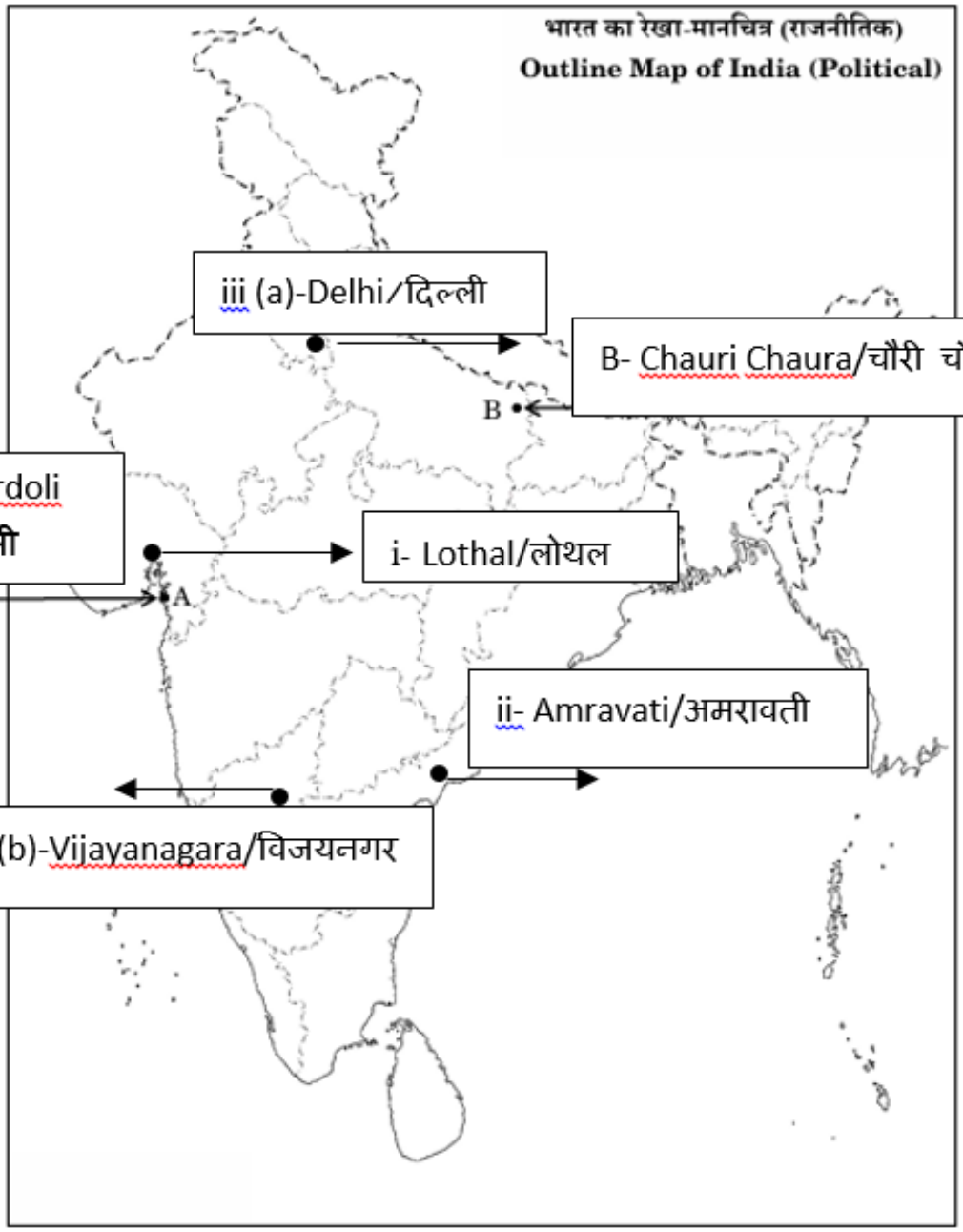

61/3/2 Page 27 of 27